

तनावग्रस्त परसिंपत्तियों के समाधान में तेज़ी लाएगा 'इंटर क्रेडिटर अग्रिमेंट'

चर्चा में क्यों?

तनावग्रस्त परसिंपत्तियों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिये सार्वजनिक तथा नज़ि कषेत्र के अग्रणी बैंक इंटर क्रेडिटर अग्रिमेंट (Inter Creditor Agreement) के लिये सहमत हो गए हैं क्योंकि यह दस्तावेज़ तनावग्रस्त परसिंपत्तियों के मामलों में संबंधित अग्रणी बैंकों पर कार्रवाई का नरिणय लेने का काम करेगा। इस समझौते की संसुतुतहाल ही में ज़ारी मेहता समतिकी सफ़िराशियों में की गई थी।

महत्त्वपूर्ण बदि

- इंटर क्रेडिटर अग्रिमेंट का उद्देश्य बैंकों के बीच नरिणय लेने में होने वाली देरी को रोकना है।
- यह एक सहभागी प्रक्रिया है जो बैंकों के बीच प्रभावी तथा बेहतर संचार को सुनिश्चित करती है।
- बैंकों ने इंटर क्रेडिटर अग्रिमेंट की संरचना के लिये दवाला एवं दवालियापन संहति (IBC) में प्रसुतुत मतदान शेरों का उपयोग किया है।
- इसके अनुसार, यर्द 66 प्रतशित उधारदाता तनावग्रस्त संपत्तिका संबंध में कसिी भी वशिष नरिणय से सहमत हैं तो यह नरिणय अन्य बैंकों पर भी लागू होगा। संभवतः इस समझौते का प्रयोग IBC की रूपरेखा के अंतर्गत न आने वाले खतों पर किया जाएगा।
- समझौते के माध्यम से वत्तितय संसुथान द्वारा 180 दनियों में एक समाधान योजना लागू करने के लिये अग्रणी बैंक को अधकृत किया जाएगा।